**DEVI AHILYA VISHWAVIDYALAYA (DAVV), INDORE**
**B.A. FIRST YEAR QUESTION PAPER – 2018**
**SUB : हिन्दी साहित्य- द्वितीय प्रश्नपत्र : हिन्दी कथा साहित्य (2018)**

खण्ड (अ) : वस्तुनिष्ठ

1. पति-पत्नी के संबंध-विच्छेद की समस्या को उद्घाटित करने का प्रयास किया है ।

   (अ) मृदुला सिन्हा (ब) मन्नू भंडारी (स) जयशंकर प्रसाद (द) प्रेमचन्द ।

2. अमरकान्त के अनुसार परिवार के विघटन का मुख्य कारण है।

   (अ) सामाजिक (ब) आर्थिक (स) धार्मिक (द) राजनीतिक।

3. उ.प्र. हिन्दी संस्थान से साहित्य- भूषण सम्मान तथा दीनदयाल उपाध्याये पुरस्कार से पुरस्कृत किया गया है :

   (अ) मृदुला सिन्हा (ब) मालती जोशी (स) मन्नू भंडाः (द) दूधनाथ सिंह ।

4. तीसरी कसम उर्फ मारे गए गुलफाम कहानी के लेखक हैं ।

   (अ) अमरकान्त (ब) राजी सेठ (स) फणीश्वरनाथ रेणु (द) भीष्म साहनी ।

5. मुंशी प्रेमचन्द की कफन कहानी है ।।

   (अ) आदर्शवादी (ब) यथार्थवादी (स) ऐतिहासिक (द) मनोवैज्ञानिका

खण्ड (ब) : लघु उत्तरीय Regular 3x3=9/Pribute3x4=12

1. कहानी के तत्वों के आधार पर कफन' कहानी की समीक्षा कीजिए।

(OR) "अपना-अपना भाग्य' कहानी चरित्र प्रधान नहीं अपितु घटना प्रधान है। समीक्षा कीजिए।

2. 'फणीश्वरनाथ रेणु' की कहानी की विशेषताएँ लिखिए।

(OR) 'दोपहर का भोजन' कहानी का मूल्यांकन कीजिए।

3. भीष्म साहनी' की कहानी 'चीफ की दावत' की समीक्षा कीजिए।

(OR) यशपाल की कहानी कला की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

खण्ड (स) : दीर्घ उत्तरीय Regular = 26/Private 37

1. हिन्दी उपन्यास के उद्भव एवं विकास पर प्रकाश डालिए।

(OR) कहानी की परिभाषा देते हुए उसके तत्वों पर प्रकाश डालिए। Regular 8/Private9

2. 'गबन' उपन्यास में मुंशी प्रेमचन्द जी ने आदर्शोन्मुख यथार्थवादी दृष्टिकोण को उभारा है। समीक्षा कीजिए।

(OR) मन्नू भंडारी के उपन्यास 'आपका बंटी' में किन-किन समस्याओं को उभारा गया है। इस विषय पर प्रकाश डालिए।

DAVV QUESTION PAPERS AND SYLLABUS VISIT http://www.davvonline.com

3. निम्नलिखित गद्यांश की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए ।

(अ) 'मानव जीवन की सबसे महान घटना कितनी शांति के साथ घटित हो जाती है। वह विश्व का एक महान अंश, वह महत्वकांक्षाओं का प्रचण्ड सागर, वह उद्योग का अनन्त भण्डार, . वह प्रेम और द्वेष, सुख और दुख का लीला क्षेत्र वह बुद्धि और बल की रंगभूमि न जाने कब और कहाँ लीन हो जाती है, किसी को खबर नहीं होती। एक हिचकी भी नहीं एक उच्छवास भी नहीं, एक आह भी नहीं निकलती कितना महान परिवर्तन है। वह जो मच्छर के डंक को सहन न कर सकता था, अब उसे चाहे मिट्टी में दबा दो, चाहे अग्नि चिती पर रख दो, उसके माथे पर बल तक न पड़ेगा।'

(OR) साथ रहने की यन्त्रणा भी बड़ी विकट थी और अलगाव का त्रास भी अलग रहकर भी वह ठंडा युद्ध कुछ समय तक जारी ही नहीं रहा बल्कि अनजाने ही अपनी जीत की संभावनाओं को एक नया सम्बल मिल गया था कि अलग रहकर ही शायद सही तरीके से महसूस होगा कि सामने वाले को खोकर क्या कुछ अमूल्य खो दिया है।. Regular 4/ Private 5

(ब) उसी समय समस्त न्याय और बुद्धिवाद को शस्त्र-बल के सामने झुकते देखकर काशी के विच्छिन्न और निराशा नागरिक-जीवन ने एक नवीन सम्प्रदाय की सृष्टि की। वीरता जिसका धर्म था, उसी बात पर मिटना, सिंह वृत्ति से जीविका ग्रहण करना, प्राण-भिक्षा माँगने वाले कायरों तथा चोट खाकर गिरे हुए प्रतिद्वन्द्वी पर शस्त्र न उठाना, सताये निर्बलों को सहायता देना और प्रत्येक क्षण प्राणों को हथेली पर लिए घूमना, उसका बाना था। उन्हें लोग काशी में गुण्डा कहते थे।

(OR) जिस समाज में रात-दिन मेहनत करने वालों की हालत उनकी हालत से कुछ बहुत अच्छी न थी और किसानों के मुकाबले में वे लोग, जो किसानों की दुर्बलताओं से लाभ उठाना जानते थे, वही ज्यादा सम्पन्न थे, वहाँ इस तरह की मनोवृत्ति का पैदा हो जाना कोई अचरज की बात न थी। हम तो कहेंगे, घीसू किसानों से कहीं ज्यादा विचारवान था और किसानों के विचार-शून्य समूह में शामिल होने के बदले बैठक बाजों की कुत्सित मण्डली में जा मिला था।

(स) सिद्धेश्वरी पर जैसे नशा चढ़ गया था। उन्माद की रोगिणी की भाँति बड़बड़ाने लगी - पागल नहीं है, बड़ा होशियार है। उस जमाने का कोई महात्मा है। मोहन तो उसकी बड़ी इज्जत करती है। आज कह रहा था कि भैया की शहर में बड़ी इज्जत होती है, पढ़ने- लिखने वालों में बड़ा आदर होता है और बड़का तो छोटे भाइयों पर जान देता है। दुनिया में वह सब कुछ सह सकता है, पर यह नहीं देख सकता कि उसके प्रमोद को कुछ हो जाये।

(OR) हर औरत ऐसे ही सोचती है । अगर उसे ज्ञात हो जाये कि वह जूठन उठा रही है, तो वह तुम्हें कभी क्षमा नहीं करेगी। सचमुच कभी क्षमा नहीं करेगी। विवशता में क्या नहीं होता है, लेकिन मन से इसका अहसास नहीं जाता। कोई भी 'छिछड़ा क्यों पसंद करेगी। तुम कहोगे इसके विपरीत बड़े-बड़े उदाहरण हैं, तो वह केवल एक समझौता है। चाहे वह श्रद्धावश हो या स्वार्थवश ऐसी सारी औरतें आधुनिक बनने के नाम पर केवल अपने एहसास को छुपाती हैं। मैं जूठन अपने अंदर नहीं ले सकती। तुमने मुझे कितना छोटा और अपाहिज कर दिया है।

DAVV QUESTION PAPERS AND SYLLABUS VISIT http://www.davvonline.com